भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JUNE 2026

एयरपोर्ट्स का डिजिटल इतिहास सहेजेगा एएआई

137 हवाई अड्डों की 4के वीडियोग्राफी और ड्रोन शूटिंग होगी, विकास यात्रा का बनेगा स्थायी डिजिटल आर्काइव

संदीप वर्मा

नई दिल्ली। देश में तेजी से बदल रहे विमानन ढांचे को स्थायी रूप से दर्ज करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। एएआई अब देशभर के हवाई अड्डों, निर्माणाधीन परियोजनाओं और प्रमुख आयोजनों का व्यापक डिजिटल आर्काइव तैयार करेगा। इसके लिए पेशेवर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एजेंसियों का पैनल बनाया जाएगा, जो एयरपोर्ट्स के विकास, विस्तार और आधुनिकीकरण की पूरी यात्रा को उच्च गुणवत्ता में रिकॉर्ड करेंगे। इस संबंध में एएआई ने निविदा जारी कर औद्योगिक और पेशेवर फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। तैयार किए जाने वाले फोटो और वीडियो भविष्य में दस्तावेजीकरण, कॉर्पोरेट फिल्मों, प्रदर्शनियों, प्रचार सामग्री, शोध कार्यों और अन्य संचार माध्यमों में उपयोग किए जा सकेंगे। एएआई वर्तमान में देश के 137 हवाई अड्डों का संचालन और प्रबंधन करता है, जिनमें 34 अंतरराष्ट्रीय और 103 घरेलू हवाई अड्डे शामिल हैं।

4के कैमरे और ड्रोन से होगी रिकॉर्डिंग

योजना के तहत चयनित एजेंसियां 4के अल्ट्रा हाई डेफिनिशन वीडियो रिकॉर्डिंग और हाई-रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी करेंगी। आधुनिक ड्रोन तकनीक की मदद से एयरपोर्ट्स के हवाई दृश्य भी रिकॉर्ड किए जाएंगे। रिकॉर्डिंग का दायरा केवल टर्मिनल भवनों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रनवे, एयरसाइड क्षेत्र, एयर ट्रैफिक कंट्रोल सुविधाएं, निर्माणाधीन परियोजनाएं, तकनीकी ढांचा, मशीनरी, कर्मचारियों की गतिविधियां और यात्रियों की आवाजाही भी इसमें शामिल होगी।

संस्थागत स्मृति बनेगा डिजिटल संग्रह

एएआई का मानना है कि यह डिजिटल आर्काइव भविष्य में संगठन की संस्थागत स्मृति के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से किसी भी एयरपोर्ट या परियोजना के विकास क्रम को वर्षों बाद भी आसानी से देखा व समझा जा सकेगा। इसके अलावा मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों और हवाई अड्डों पर आयोजित उद्घाटन समारोह, सम्मेलन, बैठकें, सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी पेशेवर कवरेज कराई जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JUNE 2026

ग्रेट निकोबार में 13 हजार करोड़ से बनेगा अत्याधुनिक सैन्य और नागरिक एयरपोर्ट

रक्षा एवं नागरिक उड्डयन मंत्रालय कराएगा निर्माण, 5 साल में पूरा करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीतिक मौजूदगी बढ़ाने के लिए सरकार ने ग्रेट निकोबार द्वीप समूह विकास परियोजना के तहत एक अत्याधुनिक हवाई अड्डे बनाने का फैसला लिया है। इस परियोजना पर कुल 13,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि यह हवाई अड्डा दोहरे उपयोग पर आधारित होगा। इसका उपयोग नौसेना और नागरिक उड़ानों दोनों के लिए किया जा सकेगा। इस परियोजना को पांच साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

हवाई अड्डे एवं रनवे निर्माण पर होने वाले खर्च को रक्षा मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय साझा उठाएंगे। यह संयुक्त वित्तीय मॉडल दोनों मंत्रालयों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा, जिससे सैन्य तैयारियों के साथ क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को भी बढ़ावा मिलेगा। इस हवाई अड्डे के निर्माण से देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा पुख्ता होगी। मलक्का जलडमरूमध्य के पास होने से यह स्थान वैश्विक समुद्री व्यापार और सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। यहां नौसैनिक संचालन की क्षमता बढ़ने से भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी आकस्मिक चुनौती का तुरंत जवाब देने में सक्षम होगा। यह परियोजना भू-राजनीतिक रूप से चीन को घेरने और हिंद महासागर में भारत को नेट सुरक्षा प्रदाता बनाने में गेमचेंजर साबित हो सकती है। साथ ही नागरिक उड़ानों के संचालन से इन सुदूर द्वीपों का देश के मुख्य भू-भाग से संपर्क बढ़ेगा। इससे पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। ब्यूरो

पर्यावरण संबंधी संदेह

ग्रेट निकोबार परियोजना पर कुछ सामाजिक संगठनों ने क्षेत्र की जैव विविधता, घने वर्षावनों और जनजातीय अधिकारों पर चिंताएं जताई थीं। इसके जवाब में सूत्रों ने साफ किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यताओं और पर्यावरण संबंधी मुद्दों में एक मजबूत संतुलन स्थापित किया जा रहा है। बुनियादी ढांचे के निर्माण से होने वाले किसी भी संभावित नुकसान की भरपाई के लिए बड़े पैमाने पर वनीकरण और वन्यजीव प्रबंधन योजनाएं चलाई जा रही हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JUNE 2026

एयरपोर्ट्स का डिजिटल इतिहास सहेजने की तैयारी में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

नई दिल्ली। देशभर में तेजी से बदलते विमानन ढांचे को स्थायी रूप से दर्ज करने की दिशा में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) एयरपोर्ट्स के विकास, विस्तार और आधुनिकीकरण की पूरी यात्रा को डिजिटल रूप से संरक्षित करेगा। एएआई देशभर के अपने हवाई अड्डों, निर्माणाधीन परियोजनाओं और प्रमुख आयोजनों की पेशेवर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए एजेंसियों का पैनल बनाने जा रहा है।

भविष्य में इन तस्वीरों और वीडियो का उपयोग दस्तावेजीकरण, कॉर्पोरेट फिल्मों, लघु फिल्मों, प्रदर्शनियों, प्रचार सामग्री और अन्य संचार माध्यमों में किया जा सकेगा। इस संबंध में निविदा जारी कर देशभर में औद्योगिक एवं पेशेवर फोटोग्राफी-विडियोग्राफी करने वाली एजेंसियों से आवेदन मांगे गए हैं। एएआई वर्तमान में कुल 137 संचालित हवाई अड्डे हैं। इनमें 34 अंतर्राष्ट्रीय, 103 घरेलू हवाई अड्डे शामिल हैं। कुल मिलाकर, छोटी-बड़ी हवाई पट्टियों को मिलाकर देश में कुल 487 एयरपोर्ट और हवाई पट्टियां मौजूद हैं।

एएआई के अनुसार देश में विमानन अवसंरचना तेजी से विस्तार कर रही है। नए टर्मिनल भवन, रनवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर, एयरपोर्ट विस्तार परियोजनाएं और यात्री सुविधाएं लगातार विकसित हो रही हैं। योजना के तहत उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें और वीडियो तैयार किए जाएंगे।

4के कैमरे और ड्रोन से होगी शूटिंग...

चयनित एजेंसियों को देशभर के एयरपोर्ट्स की 4के अल्ट्रा हाई डेफिनिशन वीडियो रिकॉर्डिंग और हाई-रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी करनी होगी। इसके अलावा नवीनतम तकनीक वाले ड्रोन की मदद से हवाई दृश्य भी रिकॉर्ड किए जाएंगे। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का दायरा केवल टर्मिनल भवनों तक सीमित नहीं होगा। इसमें रनवे, एयरसाइड क्षेत्र, एयर ट्रैफिक सुविधाएं, निर्माण परियोजनाएं, मशीनरी, तकनीकी ढांचा, यात्रियों की गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कार्यरत कर्मचारी और एयरपोर्ट के आंतरिक तथा बाहरी दृश्य भी शामिल होंगे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BANGALORE MIRROR BANGALORE 8 JUNE 2026

Going with the flow: BIAL's big water win

Making waves beyond the runway, Bengaluru Airport is banking every drop through harvesting, recycling and recharge initiatives that keep sustainability flying high

| Iffath Fathima
iffath.fathima@timesofindia.com
TWEETS @BangaloreMIRROR

As concerns over water scarcity continue to grow, Kempegowda International Airport Bengaluru has emerged as a model for sustainable water stewardship, replenishing more than twice the amount of water it consumes and adopting a range of innovative measures to reduce its dependence on freshwater resources.

According to the airport's Sustainability Report 2024–25, the facility achieved a water positivity index of 2.36 during the financial year, meaning it replenished more than twice the water withdrawn for its operations. This has been achieved through a combination of rainwater harvesting, wastewater recycling, groundwater recharge initiatives and climate-smart irrigation systems.

The airport has developed an integrated water management network designed to capture, store, treat and reuse water while minimising environmental impact. There are 315 groundwater recharge pits and several recharge and retention ponds that harvest rainwater and channel it into the ground. The airport's stormwater drainage network is also designed to direct runoff into nearby lakes and wetlands, supporting local ecosystems and biodiversity.

In FY 2024–25, wastewater treatment totalled 1,168 million litres, while the quantity of treated water recycled was recorded at 1,130 million litres. Harvested rainwater accounted for nearly 770 million litres, while the remainder came from third-party potable and non-potable supplies. The extensive use of harvested rainwater has helped reduce dependence on external water sources.

Smart irrigation, aircraft-cleaning technology and zero-discharge systems drive efficiency, while recharge pits, wetlands and biotopes strengthen ecological resilience

The airport has also adopted advanced technologies to reduce water consumption across its operations. One such initiative is the use of water-efficient Aerowash units for cleaning aircraft exteriors. The automated system uses a biodegradable, plant-based cleaning solution and significantly reduces water use compared with conventional washing methods. The dry-wash technology reportedly lowers water consumption by as much as 99 per cent while eliminating the need for wastewater processing.

Beyond conservation, the airport is focusing on improving water quality through nature-based solutions. Biotopes and rain gardens have been established around water-harvesting ponds using carefully selected plant species that naturally absorb pollutants such as nitrogen and phosphorus from stormwater. These systems help improve the quality of water retained and recharged within the airport premises.

A spokesperson for Bengaluru International Airport Limited (BIAL) said, "Our Sustainability Vision is to touch lives by nurturing a sustainable future through initiatives that drive economic, social and environmental transformation. We aim to achieve water stewardship through initiatives that are socially equitable, environmentally sustainable and economically beneficial.

"BIAL is the first airport in the country to achieve water positivity with an index of 2.36, meaning the airport replenishes more than twice the water it consumes. This achievement has been made possible through extensive rainwater harvesting, wastewater recycling and smart water management technologies. We recover two-thirds of our potable water requirement through our in-house rainwater harvesting systems."

The airport's sustainability programme has incorporated a Zero Liquid Discharge system, wherein no wastewater generated within the airport is released beyond its boundaries. Instead, wastewater is treated and reused through advanced treatment infrastructure. BIAL is also the first Indian airport to implement a weather-based smart irrigation system for managing the 100-acre landscape in and around the terminal.

"The airport's landscaping and afforestation efforts support groundwater recharge and soil conservation. IoT-based smart irrigation systems use real-time weather and soil data to reduce water consumption," the spokesperson said.

The spokesperson added that BIAL aims to build resilient communities through initiatives focused on education, water and sanitation, integrated development, and health and well-being.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 7 JUNE 2026

900 मी. एप्रोच लाइट्स लगेंगी, 5.37 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत होगी

किशनगढ़ एयरपोर्ट होगा और आधुनिक, बड़े विमानों की लैंडिंग भी होगी आसान

मनोज शर्मा | जयपुर

किशनगढ़ एयरपोर्ट पर बड़े विमानों के लिए सरकार ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत रनवे-23 पर 900 मीटर लंबी एप्रोच लाइट्स लगाई जाएंगी, जिसके लिए 5.367 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। सरकार ने सामाजिक प्रभाव आकलन की अधिसूचना जारी कर दी है। एयरपोर्ट पर अभी बड़े विमानों के संचालन को लेकर कुछ तकनीकी सीमाएं हैं। इन्हें दूर करने के लिए रनवे के एक छोर पर एप्रोच लाइट्स लगाई जाएंगी। यह लाइट्स रात, कोहरे या कम दृश्यता के दौरान पायलटों को रनवे की दिशा और दूरी का सही आकलन करने में मदद करती हैं।

नागरिक उड्डयन विभाग के संयुक्त सचिव दाताराम के अनुसार किशनगढ़ हवाई अड्डे पर ए-320 श्रेणी के बड़े विमानों के सिंगल साइड ऑपरेशन को बेहतर बनाने के लिए रनवे-23 पर 900 मीटर एप्रोच लाइट्स स्थापित की जानी हैं। इसके लिए अधिग्रहित भूमि बाद में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को आवंटित की जाएगी।

40 खातेदारों की जमीन अधिग्रहण की जद में

अधिग्रहण प्रस्ताव में विभिन्न खसरों के 40 निजी खातेदार, सह-खातेदार, धार्मिक ट्रस्ट और स्थानीय निकाय हैं। इनमें नगर परिषद किशनगढ़ और मंदिर श्री मोहनलाल जी की भूमि भी है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 'उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013' के तहत होगी। इसका अर्थ है कि प्रभावित खातेदारों को बाजार दर, गुणांक, परिसंपत्तियों के मूल्यांकन और अन्य वैधानिक लाभों को जोड़कर निर्धारित मुआवजा दिया जाएगा। अंतिम मुआवजा सामाजिक प्रभाव आकलन, आपत्तियों की सुनवाई और भूमि मूल्यांकन के बाद तय होगा।

अधिग्रहण की सूचना जारी की

अभी सरकार ने अधिसूचना जारी की है। आगे की कार्रवाई और समय-सीमा भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 एवं राजस्थान नियम, 2016 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूरी की जाएगी।

पर्यटन एवं व्यापार निवेश पर असर

परियोजना पूरी होने के बाद एयरपोर्ट की परिचालन क्षमता में सुधार होगा। एयरपोर्ट की तकनीकी क्षमता बढ़ने से यहां उड़ानों का संचालन और अधिक सुगम होगा।

- खराब मौसम में विमानों की लैंडिंग अधिक सुरक्षित होगी।
- उड़ानों के रद्द होने या डायवर्ट होने की संभावना कम होगी।
- बड़े विमानों के संचालन का रास्ता आसान होगा।
- नई उड़ानें और यात्री सुविधाएं बढ़ने की संभावना बनेगी।
- अजमेर, किशनगढ़ और पुष्कर के लिए बेहतर कनेक्टिविटी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 9 JUNE 2026

दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन विमान क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार शाम तेज आंधी-बारिश के बीच एयर इंडिया के तीन विमानों को हुए नुकसान की जांच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुरू कर दी है। डीजीसीए ने सोमवार को एक बयान में बताया कि रविवार को हुई इस घटना में दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर पार्क एयर इंडिया के तीन ए320 विमानों को नुकसान पहुंचा है। विमानों को

- अचानक आई आंधी से नुकसान पहुंचा
- डीजीसीए ने शुरू की नुकसान की जांच

ग्राउंड उपकरण और हवा के साथ उड़कर आई किसी चीज के टकराने से नुकसान हुआ है। उसने बताया कि घटना शाम 4.30 बजे के आसपास की है। नागर विमानन नियामक के अनुसार, तेज हवाओं के कारण बगल से स्टैंड में रखे दो ग्राउंड उपकरण अपने स्थान से चलने लगे और दो अलग-अलग विमानों से टकरा गए जिससे उन्हें नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, एक अन्य विमान की दाहिनी तरफ की स्लाइडिंग खिड़की से हवा में उड़कर आयी कोई अवांछित वस्तु टकराने से उसे भी नुकसान हुआ है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 9 JUNE 2026

नोएडा एयरपोर्ट से जुड़ेगा अलीगढ़ का डिफेंस कारिडोर

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : अलीगढ़ जिले के डिफेंस कारिडोर को नोएडा एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी होगी। पलवल अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग से 130 मीटर रोड को जोड़ा जाएगा। इससे यीडा क्षेत्र की अलीगढ़ के साथ वहां विकसित हो रहे डिफेंस कारिडोर से कनेक्टिविटी हो जाएगी। टप्पल बाजना अर्बन सेंटर और यीडा के फेज के बीच आठ हजार हेक्टेयर कृषि उपयोग भूमि का मास्टर प्लान तैयार कर उसे उद्योग, आवासीय व होटल के लिए आवंटन किया जाएगा। इसके लिए यीडा बोर्ड की 90वीं बैठक में स्वीकृति दे दी गई। अपर मुख्य सचिव एवं यीडा चेयरमैन आलोक कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई निर्णय लिए गए।

यीडा सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि एनएचएआइ राज्य राजमार्ग 22ए को राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित कर रहा है। इसके लिए जट्टारी और खैर में बाईपास

जट्टारी, खैर बाईपास से जुड़ेगी यीडा की 130 मीटर सड़क, टप्पल बाजना अर्बन सेंटर व यीडा फेज के बीच बसेगा नया केंद्र

बनेगा। यीडा बोर्ड ने मास्टर प्लान फेज एक में शामिल 130 मीटर रोड को बाईपास तक विस्तारित करने का फैसला किया है। इसके जरिये यीडा क्षेत्र की अलीगढ़ व डिफेंस कारिडोर से कनेक्टिविटी हो जाएगी। 130 मीटर रोड नोएडा एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल से होकर गुजरती है। इसलिए डिफेंस कारिडोर भी एयरपोर्ट से जुड़ जाएगा।

टप्पल बाजना अर्बन सेंटर और फेज एक के बीच कृषि उपयोग में दर्ज 8000 हेक्टेयर भूमि को औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए बोर्ड ने ईएंडबाइ से मास्टर प्लान तैयार करने के लिए अनुमति प्रदान की है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 9 JUNE 2026

ग्रेट निकोबार में बनेगा 13 हजार करोड़ से ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- पांच सालों में तैयार होने का दावा, नागरिक विमानन सेवाएं भी होंगी संचालित
- सिंगापुर व हांगकांग की तर्ज होगा विकास, पर्यावरण का भी रखा जाएगा खयाल

ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट को लेकर विपक्ष भले ही पर्यावरण सहित दूसरे मुद्दों को लेकर लगातार सवाल खड़ा कर रहा है, पर रक्षा मंत्रालय से जुड़े सूत्रों का दावा है कि यह प्रोजेक्ट सैन्य ही नहीं, रणनीतिक दृष्टि से भी काफी अहम है। इसमें 13 हजार करोड़ की लागत से बन रहा ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा भी शामिल है, जिसका प्रयोग नागरिक विमानन सेवाओं के साथ नौसेना भी करेगी। रणनीतिक लिहाज से अहम इस हवाईअड्डे का संचालन नौसेना के पास रहेगा। इसका निर्माण अगले पांच सालों में पूरा होगा।

सूत्रों के मुताबिक, ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण का खर्च रक्षा मंत्रालय व नागरिक उड्डयन मंत्रालय संयुक्त रूप से उठाएंगे। साथ ही प्रोजेक्ट के तहत अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट और एक पावर प्लांट का भी निर्माण किया जाएगा। इस ट्रांसशिपमेंट पोर्ट के बनने से भारत की विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता कम होगी, वहीं निकोबार का विकास सिंगापुर और हांगकांग की तर्ज पर करने का भी दावा दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक इस प्रोजेक्ट से यह क्षेत्र व्यापारिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा।

पर्यावरण मानकों व जनजातियों की अनदेखी के सवाल पर रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि परियोजनाओं में पर्यावरणीय मानकों और आदिवासी समुदायों के अधिकारों को पूरा ध्यान रखा गया है। इसके लिए 2250 करोड़ रुपए का पर्यावरण संरक्षण प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जो 30 सालों तक चलेगा। आइलैंड का करीब 82 प्रतिशत क्षेत्र पहले से ही राष्ट्रीय उद्यान, रिजर्व वन क्षेत्र व जनजातीय संरक्षण क्षेत्र के रूप में सुरक्षित रखा गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 9 JUNE 2026

India to Invest ₹13K-cr in Dual Use Airport at Great Nicobar Island

Manu Pubby

New Delhi: India will invest ₹13,000 crore to construct a new dual use airport under the Great Nicobar Island Development project that will be used both for military and civilian purposes, with construction expected to be completed in five years.

Sources said a feasibility study was carried out to expand the existing airfield at INS Baaz for more robust military purposes but it was not found to be feasible, given the requirement of significant land reclamation and its impact on flora and fauna.

Defence sources said the GNI project is a strategically significant national initiative designed to safeguard India's maritime interest and the suggestion that the requirements can be met through just the expansion of existing defence assets reflects an incomplete understanding of the nature of maritime power in the Indo Pacific.

"The runway of INS Baaz has recently expanded to 4,500 ft. The expansion of INS Baaz to the desired 10,000 ft requires significant land reclamation and impacts tribal area, flora and fauna," sources said. The larger runway is needed to operate large transport and surveillance aircraft, besides fighter jets to protect Indian interests, they added.

Strategically important initiative to safeguard India's maritime interests: Def sources

The Joint User Greenfield and Naval Air Station at GNI will enhance Indian ability to support operations and respond to crises and maintain logistic in a forward location.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 9 JUNE 2026

योजना | करीब 4000 करोड़ की इस परियोजना को अगले 30 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ान के यात्रियों को आवाजाही में काफी आसानी होगी

एयरपोर्ट पर टर्मिनल के बीच स्वचालित एयर ट्रेन चलाने की तैयारी

■ अभिनव उपाध्याय

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए इसे वैश्विक ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करने की तैयारी है। यात्रियों की सुविधा के लिए स्वचालित एयर ट्रेन चलाने की भी तैयारी है। इससे यात्रियों को आवाजाही में काफी आसानी होगी।

डायल के मुताबिक, एयरपोर्ट पर फिलहाल सालाना 7.9 करोड़ से अधिक यात्रियों की आवाजाही हो रही है। एयरपोर्ट 155 से अधिक मार्गों को जोड़ता है। बढ़ती सुविधाओं के बाद यहां 11 करोड़ प्रति वर्ष यात्रियों की संख्या करने का लक्ष्य है।

7.9 करोड़ से अधिक यात्री आवाजाही करते हैं हर साल

11 करोड़ प्रति वर्ष यात्रियों की संख्या करने का लक्ष्य

तीस माह में ट्रेन चलाने का लक्ष्य

डायल ने एयरपोर्ट के विभिन्न टर्मिनलों और एरोसिटी को जोड़ने के लिए स्वचालित एयर ट्रेन यानी ऑटोमेटेड पीपल मूवर (एपीएम) परियोजना को मंजूरी दी है। करीब 4000 करोड़ रुपये की इस परियोजना को अगले 30 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह एयर ट्रेन टर्मिनल-1,2,3, एरोसिटी और कार्गो सिटी को आपस में जोड़ेगी।

ट्रांजिट यात्रियों के लिए निशुल्क होगी सेवा

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार ट्रांजिट यात्रियों के लिए यह सेवा निशुल्क होगी, जबकि गैर-यात्रियों को शुल्क देना होगा। करीब 7.7 किलोमीटर लंबी इस एयर ट्रेन लाइन में 5.7 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड होगा, जबकि लगभग दो किलोमीटर हिस्सा जमीन पर बनाया जाएगा।

विदेश से लाई जा सकती है ट्रेन : डायल के एक अधिकारी का कहना है कि एयर ट्रेन के लिए इस्तेमाल होने वाली तकनीक और ट्रेन विदेशों से लाई जा सकती हैं। इसके लिए दक्षिण कोरिया, जकार्ता, इटली और स्विट्जरलैंड की प्रणालियों का अध्ययन किया गया है। वहीं, ट्रैक बिछाने और स्टेशन निर्माण का काम भारतीय कंपनियों को दिया जाएगा।

स्काईवॉक का भी प्रस्ताव : परियोजना में कार्गो स्टेशन को कार्गो टर्मिनल से जोड़ने के लिए स्काईवॉक भी प्रस्तावित है। एयर ट्रेन के स्टेशन टर्मिनलों के प्रवेश द्वार के पास बनाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को अधिक पैदल न चलना पड़े। एयर ट्रेन में सवार होने के लिए यात्रियों को अपना बोर्डिंग पास स्कैन करना होगा। व्यस्ततम समय में यह सेवा टर्मिनल-1 और टर्मिनल-3 के बीच बिना रुके चलेगी ताकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बीच कनेक्टिविटी तेज हो सके।

भीड़ नियंत्रित कर रहा एआई : एयरपोर्ट पर एक्सओविस नामक एआई आधारित कतार प्रबंधन प्रणाली भी लागू की गई है। इससे यात्रियों की भीड़ नियंत्रित करने और आवाजाही को व्यवस्थित करने में मदद हो रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 8 JUNE 2026

DRI seizes 3.2kg smuggled gold worth ₹5 crore at airport; 7 arrested

Abhishek Sharan
abhishek.sharan@hindustantimes.com

MUMBAI: The Directorate of Revenue Intelligence (DRI) has dismantled an alleged gold-smuggling syndicate operating through Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA), seizing 3.2 kilograms of smuggled foreign-origin gold dust in wax form worth ₹5 crore and arresting seven persons, including three foreign transit passengers, three airport staffers and an intended receiver.

The operation, internally codenamed 'Operation Golden Nexus', was carried out on Saturday and culminated in the arrest of a Bangladesh national, two Sri Lankan nationals, three airport employees and a local receiver allegedly linked to the smuggling network, DRI officials said on Sunday.

According to investigators, the three foreign nationals had arrived from Bangkok, Thailand, and were transiting through Mumbai when they allegedly smuggled gold into India by concealing it inside their bodies. The arrested airport staffers included two bus/coach drivers and a bus/coach monitor, one of whom was identified as Ajit Achrekar.

3.2 kg gold dust was found hidden in capsules.

The DRI said the operation was launched following specific intelligence inputs indicating that certain airport employees were allegedly facilitating the collection and removal of smuggled gold brought into the country by Bangladeshi and Sri Lankan transit passengers arriving from Bangkok.

Officials said the intelligence suggested that after the passengers brought the contraband into the airport, selected staffers allegedly helped remove it from the premises and deliver it to local handlers and receivers outside the airport. Acting on these inputs, DRI officers allegedly intercepted the airport staffers.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 9 JUNE 2026

IGI: 2 held for smuggling ₹5cr marijuana in geysers

NEW DELHI: Customs officials at the Indira Gandhi International (IGI) Airport arrested two flyers on Sunday for allegedly attempting to smuggle hydroponic weed worth over ₹5 crore from Kuala Lumpur. Officials said the accused had concealed 145 vacuum-sealed packets inside two geysers they were bringing as luggage.

The accused landed at Delhi's Terminal-3 from Kuala Lumpur via flight D7-182 on Sunday and were intercepted soon after crossing the green channel with brand-new geysers.

"The appliances were subjected to an X-ray examination, which indicated the possibility of concealed material hidden within their internal structure," said the official. The dismantling of both geysers led to the discovery of 145 packets of contraband stuffed inside. "The contraband is suspected to be hydroponic weed and was seized under the provisions of the NDPS Act, and both passengers were placed under arrest," the official said. HTC

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 9 JUNE 2026

GMR flags weak H1 air traffic, pins growth on new airports

The airport operator sees traffic recovering in the second half as airlines restore capacity

Abhishek Law
abhishek.law@livemint.com
NEW DELHI

India's aviation sector may face a weak first half this fiscal year as passenger traffic stagnates due a shortage of operational aircraft, according to GMR Airports Ltd, the country's largest private airport operator.

GMR, which handles roughly three out of every 10 air passengers in the country, expects traffic growth to remain flat in April-September before recovering in the second half as airlines restore capacity and two new airport assets are added to its portfolio.

The outlook from GMR is significant because, together with Adani Airports Holdings Ltd, they handle about half of India's air passenger traffic, making the two airport operators a key gauge of aviation demand. The forecast also suggests growth could remain uneven in the near term as airlines continue to operate with capacity constraints.

"The first two quarters will be flattish," Saurabh Chawla, chief financial officer at GMR, told *Mint*. "We have always guided the markets that we will grow about 8-10% year-on-year. But we have also guided that the first two quarters may not sustain that," he said.

"We have the Vizag Airport or Bhogapuram Airport, also going live. Taking those two, about five million passengers will be added. So, broadly, we should grow by about 5%."

GMR Airports, which runs three airports in the country, including the Delhi airport, expects the Bhogapuram airport in Andhra Pradesh to become operational in the second quarter and plans to take over the Nagpur airport during the same period.

The company's three operating airports in India—Delhi's Indira Gandhi International Airport, Hyderabad's Rajiv Gandhi International Airport and Goa's Manohar International Airport or Mopa—together handled 114.6 million passengers in 2025-26, a modest 1% increase from the previous year.

The slowdown has persisted into the current fiscal year. Passenger traffic across GMR's Indian airports fell 4% on-year in April to about 9.3 million.

According to Chawla, the impact of the current challenging operating environment is not uniform across GMR-run airports.

In April, the Delhi airport handled 6.66 million passengers during the month, largely flat from a year ago, while Hyderabad saw a sharper 15% decline, reflecting the impact of airline route rationalization. Goa's Mopa airport, however, recorded a 5.3% increase in traffic.

The trend mirrors weakness across the broader market. Data from the Directorate General of Civil Aviation show domestic passenger traffic at 13.8 million in April, down 3.5% from a year ago. The decline came after growth moderated to 1.33% in FY26, the slowest post-pandemic.

Adani Airports, which operates eight airports—Mumbai, Navi Mumbai, Trivandrum, Ahmedabad, Jaipur, Lucknow, Mangalore and Guwahati, also reported passenger traffic growth of just 1% in FY26. One out of every four air passengers in the country uses an Adani-operated airport. The privately held company and a subsidiary of Adani Enterprises Ltd, does not disclose monthly traffic figures.

While passenger traffic growth remained muted, airport operators benefited from higher tariffs and stronger non-aeronautical income. GMR Airport reported revenue of ₹15,200 crore in FY26, up 40% on-year.

In the March quarter, growth was driven largely by revised tariffs at the Delhi airport, where differentiated user development fee (UDF) was introduced for international passengers based on travel class. The tariff revision helped aeronautical revenue at the airport jump 178% in FY26. By comparison, aeronautical revenue at Hyderabad and Goa was flat or lower during the year.

"The muted passenger growth forecast by GMR is a reflection of the sectoral pressure. It is driven more by capacity constraints of airlines following geopolitical disruptions," said Ankita Shah, vice-president at Elara Capital.

India's airlines have faced a series of operational challenges over the last one year. Air India announced route cuts in April and May, which continued through September, while IndiGo is expected to rationalize some departures from late August. Together, the two carriers account for about 90% of India's domestic aviation market share.

The sector has also been hit by successive disruptions. Airspace restrictions over Pakistan forced longer flight paths on several international routes beginning in April 2025. The fatal Air India crash in June led to heightened regulatory scrutiny and operational checks. New pilot duty regulations affected scheduling, while the West Asia war disrupted air routes and pushed up jet fuel costs.

For an extended version of this story, go to livemint.com.

RUNWAY TO RECOVERY

THREE operating GMR airports handled 114.6 million passengers in FY26, growing 1% on-year

IN APRIL, air passenger traffic across its Indian airports fell 4% on-year to about 9.3 mn

DOMESTIC airline traffic fell 3.5% in April, following FY26 growth of 1.33%—the weakest since covid

HIGHER tariffs and non-aero income helped GMR's FY26 revenue rise 40% to ₹15,200 crore

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 9 JUNE 2026

₹5.38 crore hydroponic weed seized at IGI Airport, 2 held

PIONEER NEWS SERVICE
New Delhi

Customs officials at Indira Gandhi International (IGI) Airport foiled a major narcotics smuggling attempt, seizing 15.38 kg of hydroponic weed valued at approximately ₹5.38 crore from two passengers who arrived from Kuala Lumpur, officials said on Monday.

Customs officers intercepted the two passengers after they crossed the Green Channel upon arrival on AirAsia X flight D7-182 on June 7. Acting on specific intelligence and passenger profiling, officers subjected the travellers to detailed scrutiny.

During the examination, officials noticed that the passengers were carrying two brand-new geysers in addition to their checked-in baggage. Suspicion deepened after sustained questioning and scrutiny of communications on their mobile phones.

The geysers were subsequently subjected to X-ray screening, which revealed concealed material inside the appliances. On dismantling the units, Customs officers uncovered a sophisticated concealment mechanism and recovered 145 vacuum-sealed packets hidden within the geysers.

The packets contained a green leafy substance suspected to be hydroponic weed, a high-potency variety of cannabis. The total weight of the seized contraband was 15.38 kg.

Customs officials estimated the illicit market value of the narcotics at around ₹5.38 crore.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA JAIPUR 7 JUNE 2026

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में टर्मिनल 2 के बाहर खुला फूड कोर्ट

बिना फ्लाइट टिकट ही उठाएं एयरपोर्ट फूड का लुत्फ

जयपुर@पत्रिका. यदि आपको एयरपोर्ट का माहौल पसंद है, लेकिन हवाई यात्रा का कोई प्लान नहीं है, तब भी अब वहां जाकर स्वाद का आनंद लिया जा सकता है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शहरवासियों के लिए टर्मिनल 2 के बाहर पोर्च एरिया के पास नया फूड कोर्ट विकसित किया है। इसे एयरो फूड स्ट्रीट नाम दिया गया है। खास बात यह है कि यहां आने के लिए हवाई टिकट या बोर्डिंग पास की जरूरत नहीं होगी। जानकारी के अनुसार गत दिनों शुरू हुए इस फूड कोर्ट में इस फूड

कोर्ट में चार स्टॉल्स विकसित की गई है। जिनमें जयपुर की मशहूर दुकान की चाय के साथ साउथ इंडियन व्यंजन, फास्ट फूड और स्नैक्स के कई विकल्प उपलब्ध है। पोर्च के बाहरी हिस्से में विकसित होने के कारण शहरवासी सीधे यहां पहुंचकर परिवार और दोस्तों के साथ समय बिता सकेंगे। उनके वाहनों की पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है।

आकर्षण का केंद्र बनेगा

एयरपोर्ट प्रशासन का मानना है कि यह फूड कोर्ट यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा। इससे एयरपोर्ट केवल यात्रा का केंद्र नहीं, फूड डेस्टिनेशन के रूप में भी पहचान बनाएगा। गौरतलब है कि जयपुर एयरपोर्ट पर रोजाना 18 से 20 हजार यात्रियों की आवाजाही होती है। एयरपोर्ट प्रशासन का दावा है कि ऐसी सुविधा प्रदेश के दूसरे किसी एयरपोर्ट पर नहीं है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 9 JUNE 2026

Great Nicobar dual-use airport likely to be 'ready in 5 yrs'

New Delhi: Considering the strategic and economic benefits of Great Nicobar Islands (GNI) development projects, the greenfield airport approved by Cabinet last Nov, "is expected to be ready within five years and will be under the operational control of Indian Navy", according to defence sources, **reports Surendra Singh.**

The dual-use airport to be used for civilian and military purposes shall enhance India's maritime domain awareness and operational outreach, the sources said, adding, "Initial tendering is underway for the airport. Other projects are in the pipeline." For "holistic development" of GNI, three interlinked projects besides the airport have been envisaged.

▶Hydrocarbons, P 22

'GNI project also important due to hydrocarbon deposits'

▶Continued from P 1

Besides the greenfield airport, three interlinked projects for the GNI have been envisaged — International Container Transshipment Port (ICTP), and naval air station, township and power plant. The total cost of all four projects is estimated at Rs 81,000 crore. "The GNI project is even more important due to potentially important hydrocarbon deposits in the sea near the islands," the defence sources said.

Highlighting its strategic importance, the sources said the project would grant India ability to sustain its presence, move its assets, support operations and monitor and maintain forward logistics close to its theatre of interest. "The project should have been executed 30 years ago," the sources said, clarifying that the runway at INS Baaz, the Indian naval air station in A&N Islands, will not be part of the GNI project.

File photo

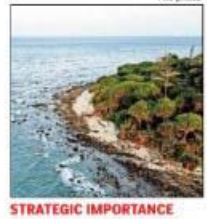

STRATEGIC IMPORTANCE

The GNI is located only 40 km from the Six Degree Channel astride the sea trade route which extends from Gulf of Aden to the Malacca Straits. Two-thirds of the world's oil and half of world's container traffic pass through this sensitive area. Various regional and extra-regional powers have increased their military and economic presence in the Indian Ocean Region (IOR). In view of this, the GNI project shall augment India's ability to operate in south-eastern IOR, thereby enhancing its stature as a preferred security partner and as a first responder, the source said.

On allegations of commercial reasons driving the project, the sources said, "Criticism that it is a commercial project is based on geographical illiteracy." Besides the strategic reason, govt's focus is on GNI's overall development. Allegations that "projects are being awarded directly to private entities are false."

Giving updates on progress of different GNI projects, the sources said, "While for ICTP, public private partnership appraisal committee appraisal has been done and a draft cabinet note submitted to the finance ministry, for the township, the expenditure finance committee meeting was conducted last week. For the LNG-based power project, a detailed project report has been prepared and shall be cleared by the NTPC board."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 9 JUNE 2026

15.4kg ganja found in geysers, 2 held at airport

New Delhi: Customs officials have arrested two passengers arriving at IGI Airport from Kuala Lumpur for allegedly attempting to smuggle 15.4 kg of weed worth over Rs 5 crore concealed inside two brand-new geysers. These passengers concealed 145 vacuum-sealed hydroponic weed packets inside two geysers, with an X-ray check revealing the narcotics inside.

After the passengers arrived at Delhi airport on Sunday, officers observed that the passengers were carrying two brand-new geysers in addition to their checked-in baggage. "During sustained interrogation and scrutiny of the suspects' mobile phone communications, officers developed a strong suspicion regarding the contents of the geysers. The appliances were therefore subjected to a second, more focused X-ray examination, which indicated the possibility of concealed material hidden within their internal structure," said a customs official.

Customs said the recovered narcotic substance has been seized under the provisions of NDPS Act. "Both passengers have been arrested," said the official. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 9 JUNE 2026

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार शाम को तेज़ हवाओं के कारन ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट विमानों से टकराता हुआ। स्रोत : वीडियो ग्रैब

अचानक बिगड़े मौसम में तीन विमान क्षतिग्रस्त, डीजीसीए की जांच शुरू

नई दिल्ली। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर अचानक बिगड़े मौसम के चलते एयर इंडिया को बड़ा नुकसान हुआ है।

रविवार को आए तेज तूफान व बारिश में पार्किंग में खड़े एयर इंडिया के तीन विमान क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए विमानन सुरक्षा नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तेज आंधी और बारिश के दौरान एयर इंडिया के तीन नैरो-बॉडी A320 विमानों को वस्तुओं और ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट की चपेट में आने से नुकसान पहुंचा। एजेंसी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 9 JUNE 2026

SpiceJet plans to induct 3 Airbus A320 planes on damp lease in July

Domestic carrier SpiceJet on Monday said it plans to induct three Airbus A320 planes on a damp lease next month to further expand its fleet. The company has already finalised a lease agreement (with the lessor) for these three narrowbody planes, the airline said in a statement. Along with this, SpiceJet said it has also ungrounded a Boeing 737 MAX aircraft and put it back into commercial operations. The additional capacity will support the airline's network requirements during the busy travel season, it said. PTI

DGCA to probe damage to three Air India aircraft parked at Delhi airport

Aviation safety regulator DGCA is investigating the incident in which three parked Air India aircraft were damaged at Delhi International airport after being hit by ground support equipment on Sunday, an official statement said on Monday. All three aircraft have been grounded for inspection and maintenance, it said. "Three Air India A320 aircraft parked at the Delhi Airport terminal-II were damaged by ground equipment/foreign object debris (FOD) during adverse weather conditions around 16:30 hours (on Sunday)," the statement said. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 9 JUNE 2026

टाटा संस • 12 जून की बैठक में फंडिंग, रणनीति पर होगा फैसला

झगड़ा थमा, बिजनेस फर्स्ट की वापसी, अब एअर इंडिया को मुनाफे में लाने पर फोकस

भास्कर न्यूज | मुंबई

टाटा सन्स के बोर्डरूम में महीनों से चल रहे विवाद के बीच एक बड़े बदलाव की आहट है। नोएल टाटा ने टाटा सन्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन से बॉम्बे हाउस में करीब एक घंटा बातचीत की। संदेश साफ था: अब विवाद नहीं, बिजनेस पहले।

बातचीत दो मुद्दों पर केंद्रित रही- अनलिस्टेड सहायक कंपनियों का प्रदर्शन और टाटा सन्स को आरबीआई के अपर-लेयर एनबीएफसी दायरे से बाहर रखने की संभावना। नोएल टाटा की चिंता यह थी कि एयर इंडिया, टाटा डिजिटल और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे नए बिजनेस के लिए भारी उधारी कहीं कंपनी को दोबारा उसी श्रेणी में न धकेल दे, जिससे बाहर निकलने के लिए 2024 में ₹20,000 करोड़ का कर्ज चुकाया गया था।

बोर्ड बैठक में एयर इंडिया, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा डिजिटल के सीईओ ने विस्तृत प्रेजेंटेशन दी। नोएल टाटा ने हर बिजनेस की वित्तीय स्थिति पर तीखे सवाल पूछे। उनका जोर था कि हर कंपनी जल्द आत्मनिर्भर बने। हालांकि बोर्ड ने लिस्टिंग और चंद्रशेखरन के कार्यकाल जैसे संवेदनशील मुद्दों को जानबूझकर एजेंडे से बाहर रखा।

चुनौती: गैर-लिस्टेड बिजनेस का घाटा 1 वर्ष में 2.5 गुना

टाटा संस की गैर-लिस्टेड कंपनियों का संयुक्त घाटा वित्त वर्ष 2024-25 में ₹10,900 करोड़ था, जो 2025-26 में ढाई गुना से ज्यादा करीब ₹29,000 करोड़ हो गया। इसमें एयर इंडिया और टाटा डिजिटल की सबसे बड़ी हिस्सेदारी रही। 12 जून की बोर्ड बैठक में फंडिंग और रणनीति पर अंतिम फैसला होना है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 7 JUNE 2026

3 माह से जयपुर-दुबई रूट बंद; पहले रोज 2 फ्लाइट; अब शारजाह की 2 उड़ानों का सहारा

एविएशन रिपोर्टर | जयपुर

जयपुर एयरपोर्ट की इंटरनेशनल कनेक्टिविटी अभी तक पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट पाई है। ईरान-अमेरिका तनाव के दौरान बंद हुई दुबई की उड़ानें 3 माह बाद भी शुरू नहीं हो सकीं। कभी राजस्थान के सबसे व्यस्त इंटरनेशनल रूट में शामिल रहा जयपुर-दुबई सेक्टर फिलहाल पूरी तरह बंद है। तनाव के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट ने दुबई के लिए अपनी उड़ानों का संचालन रोक दिया था। सामान्य स्थिति बनने के बावजूद दोनों एयरलाइंस ने अब तक सेवाएं बहाल नहीं की। इससे प्रवासी भारतीयों, व्यापारियों और पर्यटकों को परेशानी हो रही है। वर्तमान में जयपुर से यूएई के लिए सिर्फ शारजाह की दो फ्लाइट संचालित हो रही हैं। इनमें एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर अरबिया की एक-एक फ्लाइट शामिल हैं। दुबई यात्रियों की पहली पसंद माना जाता है, क्योंकि वहां से अन्य देशों के लिए बेहतर एयर कनेक्टिविटी मिलती है। इसके विपरीत शारजाह मुख्य रूप से पॉइंट-टू-पॉइंट यात्रियों के लिए सुविधाजनक है।

कुआलालंपुर फ्लाइट पहले ही बंद, खाड़ी रूट भी घटे

पिछले कुछ महीनों में जयपुर एयरपोर्ट से कई इंटरनेशनल फ्लाइट्स बंद हुई हैं। कुआलालंपुर की फ्लाइट पहले ही बंद हो चुकी है, वहीं खाड़ी देशों के लिए उड़ानों की संख्या भी घटी है। ऐसे में दुबई रूट का बंद रहना इंटरनेशनल कनेक्टिविटी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। एविएशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि जयपुर-दुबई रूट पर लगातार अच्छा यात्रीभार रहता है। यदि एयरलाइंस जल्द सेवाएं शुरू करती हैं, तो इसका लाभ यात्रियों के साथ पर्यटन और व्यापार को भी मिलेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 9 JUNE 2026

स्पाइसजेट डैम्प लीज पर लेगी तीन ए320 विमान

नई दिल्ली। पीक सीजन में अपनी परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए निजी विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने डैम्प लीज पर तीन ए320 विमानों को अपने बेड़े में शामिल करने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने सोमवार को बताया कि इन तीनों विमानों के लिए लीज समझौते को अंतिम रूप दे दिया गया है। ये जुलाई में एयरलाइन के बेड़े में शामिल होने वाले हैं। डैम्प लीज के तहत विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी ही पायलट भी देती है, जबकि केबिन क्रू परिचालन करने वाली एयरलाइंस का होता है। विमान के रखरखाव, बीमा आदि की जिम्मेदारी भी विमान देने वाली कंपनी की ही होती है। स्पाइटजेट ने इसके अलावा हाल ही में एक बोइंग 737 मैक्स विमान को भी सफलतापूर्वक फिर से सेवा में शामिल कर लिया है। यह अतिरिक्त क्षमता व्यस्त यात्रा सीजन के दौरान एयरलाइंस की नेटवर्क आवश्यकताओं को पूरा करने में मददगार होगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 9 JUNE 2026

व्यथा

जले हुए पेड़, खंडहर हुए मेडिकल कालेज हास्टल की दीवारें हादसे की भयावहता को आज भी कर रहे बयां, लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान उड़ान भरने के चंद मिनट के बाद हो गया था दुर्घटनाग्रस्त

अहमदाबाद विमान हादसे के एक साल बाद भी भुला नहीं पाए दर्द

शत्रुघ्न शर्मा • जागरण

अहमदाबाद : जले हुए पेड़, खंडहर हुए मेडिकल कालेज हास्टल की दीवारें एक साल पहले हुए अहमदाबाद विमान हादसे की भयावहता को आज भी बयां कर रहे हैं। विमान में सवार यात्रियों के अलावा प्लेन क्रेश साइट के पास मौजूद कई लोग इसके शिकार हो गए थे। हादसे वाले स्थल के सामने ही स्थित इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) के कार्यालय के बाहर एक व्यक्ति का सिर आकर गिरा था। वहीं कोने में विमान का एक पंख (विंग) आकर गिरा था। विमान हादसे के साथ हुए धमाके की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां से मोटरसाइकिल पर सवार होकर गुजर रहा एक युवक आग की लपटों से जल गया। मोटरसाइकिल के साथ उछलकर वह लगभग 10 फीट दूर जाकर गिरा। इस दुर्घटना की यादें आज भी आसपास रहने वाले लोगों के जेहन में हैं। उस समय वहां मची आपाधापी और दर्द लोगों को आज भी परेशान कर रहा है।

अहमदाबाद में एक वर्ष पूर्व विमान हादसे की कहानी बयां करती हास्टल की जर्जर दीवारें, टूटी खिड़कियां। जागरण

पति देता है ताना, हादसे मर जाती तो एक करोड़ का मिल जाता मुआवजा

दुर्घटना स्थल पर प्लास्टिक बीनने आई एक महिला ने बताया कि उस दिन वह पानी पीने के लिए चाय की दुकान पर चली गई अन्यथा वह भी हादसे की शिकार हो जाती। शराबी पति व बेटे से परेशान इस महिला ने दुखी मन से कहा कि उसका पति ताना देता है कि अच्छा होता हादसे में मर जाती। कम से कम उन्हें एक करोड़ रुपये का मुआवजा मिल जाता। आइसीएमआर एवं नेशनल इंस्टीट्यूट आफ आक्यूपेशनल हेल्थ के निदेशक एवं विज्ञानी जी भावेश मोदी बताते हैं कि संस्थान विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर शोध करता है। सिविल अस्पताल प्रबंधन के साथ मिलकर यहां के डाक्टर, नर्स व अन्य कर्मचारियों को भी अवसाद की स्थिति से उबारा गया।

विमान हादसे को एक साल पूरा होने को आया, लेकिन उस भयानक हादसे की यादें आज भी यहां आसपास रहने वाले लोगों के जेहन में हैं। गत 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग एआइ-171 विमान उड़ान भरने के चंद मिनट के बाद सिविल अस्पताल के मेडिकल हास्टल के पीछे एक तेज धमाके के साथ क्रैश हो गया था। इसकी चपेट में छह मेडिकल हास्टल, एक कैंटीन, आइसीएमआर की दीवारें तक चपेट में आ गई थीं। आइसीएमआर के विज्ञानी भोजन करने बैठे थे। वे इस धमाके से घबरा गए और कार्यालय के बाहर मुख्य दरवाजे की ओर भागे। मुख्य दरवाजे के पास मानव सिर व मानव अंग गिरे पड़े थे। वरिष्ठ विज्ञानियों ने हिम्मत कर पहले महिला कर्मचारियों को भवन के पीछे भेजा और फिर अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर क्रैश साइट पर पहुंचे। वहां उन्होंने शवों को बाहर निकालने में मदद कर रहे लोगों को मेडिकल उपकरण उपलब्ध कराए। आइसीएमआर में विज्ञानी, शोधकर्ता, क्लर्क समेत करीब 150 लोग कार्यरत हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 9 JUNE 2026

एअर इंडिया के तीन विमानों को हुए नुकसान की जांच कर रहा डीजीसीए

मुंबई, प्रेट्र: विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए रविवार को दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़े तीन एअर इंडिया विमानों के ग्राउंड सपोर्ट उपकरण से टकराने की घटना की जांच कर रहा है। बयान में कहा गया है कि तीनों विमानों को निरीक्षण और रखरखाव के लिए रोक दिया गया है।

हवाई अड्डा संचालक ने बताया कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर खड़े एअर इंडिया के तीन विमान रविवार को तेज हवा और बारिश के कारण ग्राउंड सपोर्ट उपकरण से टकराने से क्षतिग्रस्त हो गए। तेज हवाओं के कारण, पास के स्टैंड और आसपास के क्षेत्रों में रखे दो ग्राउंड उपकरण दो विमानों से टकरा गए थे। टक्कर से एक अन्य विमान की स्लाइडिंग खिड़की क्षतिग्रस्त हो गई। हवाई अड्डा संचालक ने बताया कि अचानक खराब मौसम के कारण उपकरण खड़े विमान से टकरा गए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 9 JUNE 2026

Indian Aviation Mkt Offers Long-term Opportunities, Says Star Alliance CEO

RIO DE JANEIRO: India offers long-term opportunities and Air India is on a journey to capitalise on the growth in the country's aviation market which is also witnessing increased demand for premium leisure travel, according to Star Alliance CEO. Star Alliance is a grouping of 26 airlines, including Air India. The alliance's CEO Theo Panagiotoulias said the premium leisure travel segment continues to grow strongly, which is a global phenomenon that really started after the coronavirus pandemic. "Historically, premium was more about the business traveller, and it was dominated by the business traveller. You're seeing a lot more leisure travellers willing to pay for a premium product," he said. A lot of Star Alliance members have been reconfiguring their aircraft to be more premium heavy, to have more premium seats to cater to the demand. – **PTI**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 9 JUNE 2026

IndiGo expects FY27 growth in single digits

AKBAR MERCHANT
Mumbai, June 8

THE COUNTRY'S LARGEST airline IndiGo expects capacity growth to remain in single digits in FY27 as aircraft delivery delays and supply-chain constraints continue to weigh on expansion plans, prompting it to undertake capacity rationalisation measures despite strong demand for air travel.

Shares of InterGlobe Aviation fell 2.37% to close at ₹4,375 on the NSE on Monday after the airline flagged a slower growth trajectory for the current financial year in its analyst day presentation.

The airline said it is rationalising capacity to mitigate the impact of external headwinds. A presentation made to analysts showed single-digit capacity growth for FY27, following an estimated 10% increase in FY26, which witnessed aircraft-on-ground issues and operational disruptions. IndiGo, however, expects growth to accelerate again from FY28 onwards.

At the centre of the near-term challenge is the delay in deliveries of Airbus A321XLR, the long-range narrowbody aircraft that forms a key part of IndiGo's international expansion plans. The airline expects nine A321XLRs to join its fleet during FY27 and has already received two.

Continued on Page 7

ROUGH FLIGHT

Year-wise capacity growth

*Projected; **Expected CAGR

»INSIDE«
SPICEJET TO EXPAND FLEET FOR CAPACITY REBUILDING
PAGE 4

IndiGo expects FY27 growth in single digits

HOWEVER, DELIVERIES OF some of the remaining aircraft have been delayed by a few months amid continuing production bottlenecks across the aerospace supply chain.

The delays come at a time when IndiGo is looking to expand beyond its traditional short-haul network and deepen its presence in medium-haul international markets. The A321XLR aircraft will enable the airline to operate routes such as Athens, Istanbul, Bali and Seoul while maintaining the economics of a narrowbody fleet.

The carrier has already begun adjusting capacity in parts of its international network. It recently announced the suspension of services to six overseas destinations during the July-September period, a seasonally weaker quarter for international travel, and will discontinue flights to Manchester from the end of August while returning a leased Boeing 787 aircraft. Despite the near-term constraints, IndiGo remains financially strong, ending FY26 with a free cash balance of ₹36,200 crore. The airline said the balance sheet provides flexibility to fund fleet expansion, infrastructure investments and international growth initiatives. The moderation in FY27 growth comes even as IndiGo outlined an ambitious longer-term expansion road map.

The airline aims to carry around 200 million passengers annually by FY30, compared with more than 123 million passengers in FY26. It also plans to increase average daily departures to about 3,000 from over 2,200 currently and raise the share of international capacity in its network to around 40% by the end of the decade.

IndiGo is also sharpening its focus on higher-yield passengers. The airline expects the number of daily premium seats offered under its IndiGo Stretch product to rise to more than 4,300 by March 2027 from over 2,800 currently.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 9 JUNE 2026

DGCA TO PROBE DAMAGE TO 3 AIR INDIA PLANES

DGCA IS INVESTIGATING the incident in which three parked Air India aircraft were damaged at Delhi International airport after being hit by ground support equipment on Sunday, an statement said. All three aircraft have been grounded for inspection, it said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 9 JUNE 2026

SpiceJet to induct three Airbus A320s on lease

FE BUREAU
Mumbai, June 8

SPICEJET HAS ANNOUNCED that it is signing a lease agreement to induct three Airbus A320 aircraft and bring a grounded Boeing 737 MAX back into service.

The three Airbus A320s, to be inducted on a damp lease basis, are expected to join the airline's fleet in July. The move comes as SpiceJet seeks to stabilise operations after a sharp decline in fleet strength, which has seen it fall behind younger rival Akasa Air, as reported by *FE* last month.

The airline said the additional aircraft will enhance operational flexibility and support network requirements during the peak travel season across domestic and international routes. The fleet augmentation comes at a critical juncture for SpiceJet. Once among India's largest low-cost carriers, the airline was operating just 21 aircraft as of May 2026.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 8 JUNE 2026

Mideast crisis grounds global airline profits

Global airline profitability is expected to shrink sharply in 2026 as escalating tensions in the Middle East and soaring fuel prices weigh heavily on the aviation industry, according to IATA.

The industry body has projected total net profits of $23 billion in 2026, nearly half the $45 billion estimated for 2025 and significantly below its earlier forecast of $41 billion. Net profit margins are also expected to decline to 2% from 4.2% in 2025. IATA said rising fuel costs remain the biggest challenge for airlines worldwide. Fuel expenses are projected to jump almost 40% to $350 billion in 2026 from $252 billion in 2025. Jet fuel prices are expected to average $152 per barrel, up nearly 70% from last year.

IATA Director General Willie Walsh said war-related disruptions in the Middle East and higher energy costs have significantly worsened the industry's outlook. Despite profitability pressures, global passenger traffic is expected to remain resilient. —PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 8 JUNE 2026

Airlines profits to halve

The global airline industry's total net profit is projected to halve to USD 23 billion, and the net profit margin is expected to decline to 2 per cent in 2026 due to Middle East disruptions and high fuel prices, industry body IATA said on Sunday.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HARI BHUMI DELHI 9 JUNE 2026

■ आईएटीए के मुख्य अर्थशास्त्री थॉमसन ने कहा

हवाई टिकट महंगा होने से लोग कर सकते हैं यात्रा से परहेज

एजेंसी ▶▶ रियो डी जेनेरियो

अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की मुख्य अर्थशास्त्री और वरिष्ठ उपाध्यक्ष मैरी ओवेन्स थॉमसन ने कहा है कि हवाई यात्रा के बढ़ते किराये लोगों को विमान यात्रा करने से वंचित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस किराये में इस हद तक बढ़ोतरी करने की कोशिश करेंगी कि वे लागत की भरपाई कर सकें। लेकिन इसका कुछ लोगों पर प्रतिकूल असर हो सकता है और वे हवाई यात्रा करने से परहेज करेंगे क्योंकि कीमतों में अंतर से उनके विकल्पों पर असर पड़ेगा। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एयरलाइन कंपनियां पश्चिम एशिया संकट से तेल कीमतों में आई तेजी से हुए नुकसान की भरपाई के लिए हवाई किराये में बढ़ोतरी कर रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, 2026 में विमान ईंधन की कीमतें पिछले साल की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक होंगी। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ 370 से अधिक एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 9 JUNE 2026

विमान क्षतिग्रस्त होने की जांच शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर खड़े एयर इंडिया के तीन ए320 विमानों के खराब मौसम और तेज हवा के बीच क्षतिग्रस्त होने के मामले में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच के आदेश दिए हैं। इसी बीच घटना के बाद तीनों विमानों को जांच और मरम्मत के लिए उड़ान सेवा से हटा दिया गया है। डीजीसीए की तरफ से बताया गया है कि रविवार को खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण तीनों विमान क्षतिग्रस्त हुए। घटना शाम करीब 4:30 बजे हुई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 9 JUNE 2026

DGCA to probe Air India aircraft damage

Mumbai: Aviation safety regulator DGCA is investigating the incident in which three parked Air India aircraft were damaged at Delhi International airport after being hit by ground support equipment on Sunday, an official statement said on Monday. All three aircraft have been grounded for inspection and maintenance, it said.Three Air India narrowbody aircraft parked at Terminal 2 of Delhi's Indira Gandhi International Airport were damaged on Sunday when ground support equipment hit them due to sudden strong wind and rain, the airport operator said. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 9 JUNE 2026

हवाई अड्डे पर हवाई जहाजों के टकराने का मामला

क्षतिग्रस्त विमानों की डीजीसीए करेगा जांच

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को खड़े एअर इंडिया के तीन विमानों को जमीन पर रखे उपकरण और मलबे से टक्कर लगने की वजह से नुकसान हुआ है।

तेज हवा के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर एअर इंडिया के तीन विमानों की जमीन पर रखे उपकरण से टक्कर मामले की जांच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) करेगा। सुरक्षा के जरूरी नियमों के पालन और इस घटना के कारणों से जुड़े पहलुओं की जांच की जाएगी। टक्कर की वजह से विमानों को हुए नुकसान के बाद इन्हें रखरखाव के लिए रोक दिया गया है।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को खड़े एअर इंडिया के तीन विमानों को जमीन पर रखे उपकरण और मलबे से टक्कर लगने की वजह से नुकसान हुआ है। विमानन नियामक, डीजीसीए ने सोमवार को बयान में कहा कि यह हादसा उस समय हुआ जब तीनों विमान जांच व रखरखाव के लिए वहां खड़े किए गए थे। इसमें कहा गया कि आइजीआइ हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर खड़े एअर इंडिया के तीन छोटे आकार के विमान रविवार को उस वक्त क्षतिग्रस्त हो गए जब तेज हवा और बारिश के कारण ग्राउंड सपोर्ट उपकरण उनसे टकरा गए। बयान के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर खड़े तीन एअर इंडिया ए320 विमानों को करीब रविवार शाम साढ़े चार बजे खराब मौसम के दौरान बाहरी मलबे (फारेन आब्जेक्ट डेब्रिस-एफओडी) से नुकसान पहुंचा। तेज हवाओं के कारण पास में रखे दो उपकरण अपनी जगह से खिसक गए और अलग-अलग विमानों से टकरा गए जिससे विमानों को नुकसान पहुंचा।

एक अन्य विमान की दाईं तरफ की स्लाइडिंग विंडो भी टक्कर में क्षतिग्रस्त हो गई। हवाई अड्डा संचालक ने बताया कि एअर इंडिया इंजीनियरिंग और इंडिगो के उपकरण अचानक खराब मौसम के कारण अपनी जगह से खिसकने के बाद वहां रुके विमानों से टकरा गए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 9 JUNE 2026

DGCA investigates Air India damage

The aviation safety regulator, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), is investigating the incident in which three parked Air India aircraft were damaged at Delhi International airport after being hit by ground support equipment on Sunday, an official statement said on Monday.

All three aircraft have been grounded for inspection and maintenance, it said. Three Air India narrow-body aircraft parked at Terminal 2 of the Indira Gandhi International Airport were damaged on Sunday when ground support equipment hit them due to sudden strong wind and rain, the airport operator said.

Due to strong winds, two ground equipment positioned at adjacent stand and in nearby areas moved from their locations and hit two different aircraft at various positions causing damage, according to the statement. The right-hand sliding window of another aircraft was damaged in the impact, it said. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 9 JUNE 2026

Rain, winds damage three aircraft at IGIA

PRAJYOT DEOGHARE

NEW DELHI: Three Air India Airbus A320 aircraft parked at Terminal 2 of Delhi's Indira Gandhi International Airport sustained damage on Sunday after strong winds and heavy rain caused ground support equipment and foreign object debris (FOD) to strike the aircraft, prompting aviation authorities to launch an investigation.

According to the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), the incident occurred at around 4:30 p.m. on June 7 during adverse weather conditions that affected operations at the airport.

The aircraft were parked at Terminal 2 when two pieces of ground equipment, positioned at adjacent stands and nearby areas, were displaced by powerful winds and collided with two different aircraft, causing damage at multiple locations.

A third aircraft suffered damage to its right-hand sliding window after being hit by foreign object debris carried by the strong gusts.

Airport operator Delhi International Airport Limited (DIAL) confirmed that all three aircraft were immediately withdrawn from service for detailed inspection and maintenance.

The operator stated that the displaced ground equipment belonged to Air India Engineering and IndiGo and moved from their designated positions due to the sudden deterioration in weather conditions.

DIAL also said that no weather warning had been issued by Air Traffic Control regarding the abrupt change in weather that led to the incident. Air India declined to comment officially on the matter.

However, an airline source indicated that the severe weather impacted aircraft belonging to other operators as well. The source added that while two of the three damaged Air India aircraft are expected to return to service shortly after repairs and inspections, the third aircraft may require more extensive maintenance before resuming operations.

The incident has once again highlighted the vulnerability of parked aircraft and ground equipment during sudden weather events at major airports.

Aviation experts note that strong winds can pose significant risks to aircraft on the ground if equipment is not adequately secured.

The DGCA has grounded all three aircraft pending inspection and has initiated a formal investigation to determine the circumstances leading to the damage and assess whether additional safety measures are required to prevent similar incidents in the future.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 9 JUNE 2026

ATC did not get weather info, DGCA probes mishap

Watchdog to look into how an IndiGo step ladder hit parked aircraft

S LALITHA @ New Delhi

AN unlocked trolley step ladder of IndiGo and the inability of the Aerodrome Meteorological Office to alert the Air Traffic Control (ATC) of Terminal 2 of about a sudden weather change are being seen as possible reasons behind the "rarest of rare" accidents at Delhi airport on Sunday evening, multiple sources revealed. The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has begun a probe into the mishap, in which three stationary narrow-body Air India aircraft parked near Terminal 2 were damaged. The aircraft were later grounded.

One A320 aircraft suffered major damages to its body and the portion below one wing after an IndiGo trolley rolled towards it at high speed and rammed into it, while two other aircraft sustained minor damage when other ground equipment hit them. Apart from the step ladder, two trestles, one belonging to IndiGo and the other to AI Engineering Services Limited, were involved in the Terminal 2 mishap.

Runaway step ladder driven by storm winds hit parked aircraft on Sunday

A video clip of the incident, which went viral, showed ground handling staff taking shelter during a sudden downpour. Moments later, one of them noticed a huge trolley moving rapidly on its own. It crossed one aircraft and a small vehicle before racing ahead. This individual and two ground handling staff members were seen running behind it in an attempt to stop it, but failed before it rammed into the Air India aircraft.

The DGCA said, "Due to strong winds, two ground equipment positioned at adjacent stands and in nearby areas moved from their locations and hit two different aircraft at various positions causing damage. In addition, the right-hand sliding window of another aircraft sustained damage due to Foreign Object debris impact."

All three aircraft have been grounded for inspection and maintenance, it added. Air India refused to share details regarding the damage and played it down. "All our planes will be back in action within a few days," the airline said.

Meanwhile, the airport weather office failed to convey the sudden weather change to the ATC on time. A senior official said, "A microburst had occurred. Wind speeds touched nearly 100 kmph and a squall lasted for around three minutes. We were informing the ATC, which informs different airlines and we were updating the system, so everyone could access it. By then, the squall had already struck and gone."

Sources said that had the weather office alerted the ATC in time, the aircraft and surface equipment could have been shifted immediately.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 9 JUNE 2026

DGCA to probe damage to 3 parked AI aircraft

PIONEER NEWS SERVICE
■ Mumbai

Aviation safety regulator DGCA is investigating the incident in which three parked Air India aircraft were damaged at Delhi International Airport after being hit by ground support equipment on Sunday, an official statement said on Monday.

All three aircraft have been grounded for inspection and maintenance, it said.

Three Air India narrow-body aircraft parked at Terminal 2 of Delhi's Indira Gandhi International Airport were damaged on Sunday when ground support equipment hit them due to sudden strong wind and rain, the airport operator said.

"Three Air India A320 aircraft parked at the Delhi

Airport terminal-II were damaged by ground equipment/foreign object debris (FOD) during adverse weather conditions around 16:30 hours (on Sunday)," the statement said.

Due to strong winds, two ground pieces of equipment positioned at adjacent stands and in nearby areas moved from their locations and hit two different aircraft at various positions, causing damage, according to the statement.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 9 JUNE 2026

SpiceJet to induct 3 Airbus A320 planes on damp lease in July

PIONEER NEWS SERVICE
■ Mumbai

Domestic carrier SpiceJet on Monday said it plans to induct three Airbus A320 planes on a damp lease next month to further expand its fleet.

The company has already finalised a lease agreement (with the lessor) for these three narrowbody planes, the airline said in a statement. Along with this, SpiceJet said it has also ungrounded a Boeing 737 MAX aircraft and put it back into commercial operations.

The additional capacity will support the airline's network requirements during the busy travel season and provide greater operational flexibility across its domestic and

international routes, it said.

"These aircraft will help us meet growing passenger demand, strengthen operational resilience and enhance network flexibility during a busy travel period," said Debojo Maharshi, Chief Business Officer, SpiceJet.

The airline, he said, continues to focus on steadily expanding its fleet and improving operational readiness as we move forward with our growth plans.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 9 JUNE 2026

डीजीसीए ने दिए जांच के आदेश

आंधी ने उड़ाए एयर इंडिया विमानों के ग्राउंड सपोर्ट

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर रविवार शाम आई तेज आंधी के दौरान एयर इंडिया के तीन विमान ग्राउंड सपोर्ट उपकरणों की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गए। घटना को गंभीरता से लेते हुए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच के आदेश दिए हैं। जांच के बाद लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, यह घटना रविवार शाम करीब 4:40 बजे एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर हुई। अचानक तेज हवाएं चलने से पार्किंग स्टैंड पर खड़े ग्राउंड सपोर्ट उपकरण अपनी जगह से खिसक गए और वहां खड़े एयर इंडिया के तीन सिंगल-आइल विमान उनसे टकरा गए। हादसे में विमानों को नुकसान पहुंचा है। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो इंजीनियरिंग और एयर इंडिया इंजीनियरिंग से संबंधित एक स्टेप लैडर तथा एक ट्रैक्टल तेज हवाओं के कारण नियंत्रण से बाहर होकर विमानों से जा टकराए। एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि उस समय मौसम विभाग की ओर से किसी प्रकार की पूर्व चेतावनी जारी नहीं की गई थी, जिसके चलते उपकरणों को अतिरिक्त सुरक्षा उपायों के तहत बांधने या हटाने की कार्रवाई नहीं हो सकी। घटना के बाद तीनों विमानों को तत्काल जांच और मरम्मत के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, क्षतिग्रस्त विमानों में से एक को दोबारा सेवा में लौटने में कुछ दिन लग सकते हैं, जबकि अन्य दो विमान इसी सप्ताह परिचालन में वापस आ सकते हैं। इस घटना ने एयरपोर्ट सुरक्षा व्यवस्था और खराब मौसम के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 8 JUNE 2026

Aviation min initiates study on financially stressed airlines

Saurabh.Sinha
@timesofindia.com

New Delhi: The ongoing West Asia conflict could pave the way for reforms to have financially viable airlines and a sustainable aviation sector in the country.

The aviation ministry has "initiated a study on financially stressed airlines in India to assess structural challenges and identify measures to improve sector resilience." It has asked airlines and other stakeholders to suggest reforms in policy, regulatory affairs, operations, contracts, procurement-related and other areas, and also provide the reasons for their suggestions along with the impact of the same.

Govt plans to push for these reforms to "help mitigate financial distress and support the sustainable growth of the airline sector in India."

"Aviation turbine fuel should be brought under GST at 5% so it's fully recoverable against output GST. There is a need to remove GST on international flights.

There should be a single

TO ASSESS CHALLENGES

5% GST slab for air tickets (not separate for business class). Govt must consider reverse bidding of airports on the basis of lowest airport charges for airlines and consumer to make travel affordable as opposed to the current practice of seeking highest revenue share bid per passenger. There should be price surveillance on monopoly routes (routes with less than two players)," said a senior airline official.

Another top official said: "Apart from the mandatory ATF under GST, import duty on engineering spares and parts needs reforms. Airport charges need to be reviewed as if they keep rising, the cost of air travel will only increase. The readiness of airports to park the hundreds of aircraft Air India group, IndiGo, Akasa and other carriers will get over next few years has to be reviewed minutely.

Flying training and maintenance training organisations need to be ramped up in both quantity and quality in India given the aircraft orders of Indian carriers."